जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर
संस्कृत विभाग

विभागीय संक्षिप्त विवरण

संस्कृत विभाग 1962 से स्नातक कक्षाओं का संचालन कर रहा है। 1966 से यह स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. की उपाधि हेतु अधिकृत किया गया। तब से विभाग के रूप में स्थापित हुआ। सुप्रसिद्ध स्वनामधन्य विद्वान डॉ. स्वामी सुरजनदास ने संस्थापक अध्यक्ष के रुप में विभाग को सुव्यवस्थित किया। तदनन्तर प्रो. रसिक विहारी जोशी, डॉ. कल्याण भारती, प्रो. दयानन्द भार्गव, डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल, प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, प्रो.नरेन्द्र अवस्थी, प्रो. धर्मचन्द जैन, प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, प्रो. प्रभावती चौधरी ने विभागाध्यक्ष के रूप में विभाग का नेतृत्व किया। सम्प्रति प्रो. सरोज कौशल संस्कृत विभाग की अध्यक्ष हैं।

राष्ट्रिय संगोष्ठिया

अनवरत शैक्षणिक प्रतिमानों को स्थापित करते हुए इस विभाग ने राष्ट्रिय स्तर पर 20 संगोष्ठियाँ आयोजित कीं। जिसको भारत के करांगुलिगणनीय विद्वानों ने अपने वैदुष्य से सुशोभित किया।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

विभाग ने 15 से अधिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का सुष्ठु सचालन किया। जिसमें सम्पूर्ण भारत से संस्कृत प्राध्यापकों ने प्रतिभागिता निभायी।

अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठो

विभाग के विद्वान आचार्यों ने देश तथा विदेश में संस्कृत विभाग की ख्याति प्रसारित की। राष्ट्रिय एवं अन्तराष्ट्रिय संगोष्ठियों में विभाग के वरिष्ठ आचार्यों ने सत्राध्यक्षता तथा व्याख्यान प्रस्तुत कर अपने वैदुष्य का परिचय दिया।

राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मान

संस्कृत विभाग के प्रो. दयानन्द भार्गव तथा प्रो. गणेशीलाल सुथार को उनकी विशिष्ट साहित्यिक योगदान के लिए भारत सरकार के **'राष्ट्रपति पुरस्कार'** से सम्मानित किया गया।

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर से सम्मान

राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर, से प्रो. दयानन्द भार्गव, प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, प्रो. सत्यप्रकाश दुबे, प्रा. सरोज कौशल, डॉ. प्रीतिप्रभा गोयल, प्रो. प्रभावती चौधरी को विशिष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

राजस्थान सरकार के द्वारा सम्मान

राजस्थान सरकार के द्वारा **संस्कृत दिवस** के अवसर पर प्रो. गणेशीलाल सुथार, प्रो. श्रीकृष्ण शर्मा, प्रो. सत्यप्रकाश दुबे को सम्मानित किया गया है।

पण्डित मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ

संस्कृत विभाग में **'पण्डित मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ'** 1990 में स्थापित किया गया है। जिसमें वेदविज्ञान का प्रचार, प्रसार तथा प्रकाशन अनवरत रूप से सम्पन्न हो रहा हैं।

अब तक शोध–प्रकोष्ठ से 19 पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है तथा अनेक राष्टिय संगोष्ठियों का आयोजन इसका वैशिष्ट्य है।

पंडित ओझा जयन्ती का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। कार्यशालाओं के आयोजनों से भावी पीढ़ी को वेद–विज्ञान में दीक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है। अद्यावधि पर्यन्त प्रकोष्ठ में 3 राष्ट्रिय कार्यशालाओं का आयोजन किया है।

विशिष्ट विद्वानों के व्याख्यान

प्रो. दयानन्द भार्गव, डॉ. अनन्त शर्मा, श्री गुलाब कोठारी, श्री रामलाल गुप्ता, प्रो. लक्ष्मी शर्मा, श्री रमाकान्त शुक्ल, प्रो. रामानुज देवनाथन, प्रो. संतोष कुमार शुक्ल, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्रो. गणेशीलाल सुथार, प्रो. कलानाथ शास्त्री आदि विद्वानों ने समय–समय पर शोध–प्रकोष्ठ में महत्त्वपूर्ण व्याख्यान प्रदान किये।

संस्कृत वर्ष के प्रसंग में **10 संस्कृत सम्भाषण** शिविरों का आयोजन किया गया। **भारत की सुप्रसिद्ध** वैयाकरण प्रो. पुष्पा दीक्षित के द्वारा पाणिनि अष्टाध्यायी सहजबोध कार्यशाला का आयोजन किया गया।

पाठ्यक्रम

संस्कृत विभाग स्नातकोत्तर स्तर पर विशेष अध्ययन हेतु 5 ग्रुप में संचालित होता है। सम्पूर्ण भारत में ऐसी विविधता दुर्लभ है।

1. साहित्य
2. दर्शन
3. व्याकरण
4. प्राकृत एवं जैन दर्शन
5. वेद

भूतपूर्व विद्यार्थी – विभाग का गौरव

इस विभाग के विद्यार्थी इसके गौरव का पूरे भारत में महनीय उपलब्धियों से प्रसार कर रहे हैं।

1. श्री मुक्तानन्द अग्रवाल, **कलेक्टर, राजस्थान सरकार,** श्रीराम विश्नोई, **आयकर आयुक्त** के रूप में सेवारत हैं।
2. डॉ. चेतना, **न्यायिक सेवाधिकारी** हैं।
3. डॉ. सुषमा सिंघवी, **एमेरिप्स प्रोफेसर तथा निदेशक** वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय रहीं।
4. अनेक पूर्वछात्र/छात्राऐं **राजस्थान कॉलेज शिक्षा आयुर्वेद विश्वविद्यालय, स्कूल शिक्षा** में राजपत्रित अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।
5. प्रो. ईश्वर सिंह, **अध्यक्ष, संस्कृत विभाग** रोहतक, प्रो. कुसुम चौधरी तथा प्रो. बाबूलाल शर्मा, **अध्यक्ष, संस्कृत विभाग** मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के रूप में सुप्रसिद्ध रहें।
6. प्रो. चन्द्रकिशोर गोस्वामी, सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान् ने विभाग में **विजिटिंग प्रोफेसर** के रूप में सेवायें प्रदान कीं।

सम्प्रति विभाग में चार प्रोफेसर कार्यरत हैं :–

क्रं. सं.	नाम	पद	ई–मेल आई.डी	सम्पर्क नम्बर
01	प्रो. सरोज कौशल	विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग	saroj.kaushal64@gmail.com	9928024824
02	प्रो. सत्यप्रकाश दुबे	अधिष्ठाता, कला संकाय	dubeydrsatyaprakash73@gmail.com	9413165164
03	प्रो. मंगलाराम	आचार्य, संस्कृत विभाग	Mangalaram598@gmail.com	8824539164
04	प्रो. यादराम मीना	आचार्य, संस्कृत विभाग	yadrammeena.jnvu@gmail.com	9414893249

प्रो. सरोज कौशल को मिला सम्मान

जोधपुर. संस्कृत विभाग जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष प्रो. सरोज कौशल को उत्कृष्ट शोधपत्र के लिए अखिल भारतीय कालिदास समारोह महोत्सव की ओर से सम्मानित किया गया। प्रो. कौशल ने कालिदास का भाषिक सौंदर्य विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया था। कालिदास अकादमी उज्जैन की ओर से प्रतिवर्ष अखिल भारतीय कालिदास समारोह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन 8 से 14 नवम्बर को हुआ। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी प्रो. कौशल को राजस्थान संस्कृत अकादमी जयपुर की ओर से संस्कृत विदुषी सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

प्रो. सरोज कौशल को उत्कृष्ट शोधपत्र के लिए दिया विक्रम कालिदास पुरस्कार

नवज्योति/जोधपुर।

जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्ष, प्रो. सरोज कौशल को उत्कृष्ट शोधपत्र के लिए अखिल भारतीय कालिदास समारोह महोत्सव की ओर से पुरस्कृत किया गया। प्रो. सरोज कौशल ने कालिदास का भाषिक सौंदर्य विषयक शोधपत्र प्रस्तुत किया था। कालिदास अकादमी, उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष देवप्रबोधिनी एकादशी से एक सप्ताह पर्यंत अखिल भारतीय कालिदास समारोह का

आश्विन अमावस्या, प्रतिपदा, द्वितीया विक्रमी २०७६, २८, २९, ३० सितम्बर २०
"ऋग्वेदीय अग्निसूक्त - महर्षि दयानन्द तथा अन्य भाष्यकारों की
संयुक्त तुलनात्मक
महर्षि दयानन्द सरस्वती स्मृति भवन न्यास,
जोधपुर

पण्डित मधुसूदन ओझा जयन्ती
पण्डित मधुसूदन ओझा शोध प्रकोष्ठ
संस्कृत-विभाग,
जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

2015–16

राजस्थान-संस्कृत-अकादमी-जयपुरम् (राजस्थानम्)
संस्कृत-विदुषी-सम्मान: